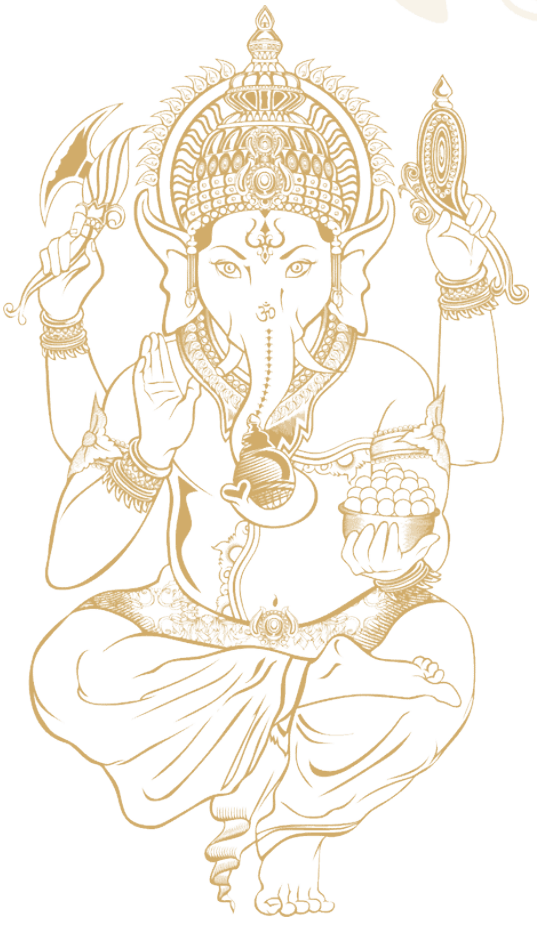

Anish

Nancy

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121620101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121620101 Date: 17/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/08/2000	जन्म तिथि	12/04/2003
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:00:00	जन्म समय	07:45:00 घंटे
घटी 03:14:51	जन्म समय(घटी)	04:26:49 घटी
India	देश	India
Yamunanagar	स्थान	Yamunanagar
30:07:00 उत्तर	अक्षांश	30:07:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:03	सूर्योदय	05:58:16
19:10:56	सूर्यास्त	18:45:43
23:51:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:55

सिंह	लग्न	वृष
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	कर्क
बुध	राशि-स्वामी	चन्द्र
चित्रा	नक्षत्र	आश्लेषा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	3
साध्य	योग	शूल
तैतिल	करण	गर
पे-पेशवा	जन्म नामाक्षर	डे-डेम
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
व्याघ्र	योनि	मार्जार
राक्षस	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	श्वान

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 5वर्ष 10मा 24दि		04:45:21	सिंह	लग्न	वृष	00:52:53	बुध 8वर्ष 3मा 17दि	
गुरु		19:04:51	कर्क	सूर्य	मीन	27:52:31	शुक्र	
29/06/2024		25:25:48	कन्या	चंद्र	कर्क	23:29:31	29/07/2018	
29/06/2040		08:43:50	कर्क	मंगल	मक	00:04:58	29/07/2038	
गुरु	17/08/2026	02:24:41	कर्क	बुध	मेष	16:34:25	शुक्र	28/11/2021
शनि	27/02/2029	12:43:33	वृष	गुरु	कर्क	14:15:46	सूर्य	28/11/2022
बुध	05/06/2031	04:05:14	सिंह	शुक्र	कुंभ	24:32:10	चन्द्र	29/07/2024
केतु	11/05/2032	05:49:56	वृष	शनि	मिथु	00:21:14	मंगल	28/09/2025
शुक्र	10/01/2035	00:37:52	कर्क व	राहु व	वृष	06:14:55	राहु	28/09/2028
सूर्य	29/10/2035	00:37:52	मक व	केतु व	वृश्चि	06:14:55	गुरु	30/05/2031
चन्द्र	27/02/2037	25:13:49	मक व	हर्ष	कुंभ	07:41:18	शनि	29/07/2034
मंगल	03/02/2038	11:05:52	मक व	नेप	मक	18:58:33	बुध	29/05/2037
राहु	29/06/2040	16:21:30	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	25:56:42	केतु	29/07/2038

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:51:40 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:55

लग्न-चलित

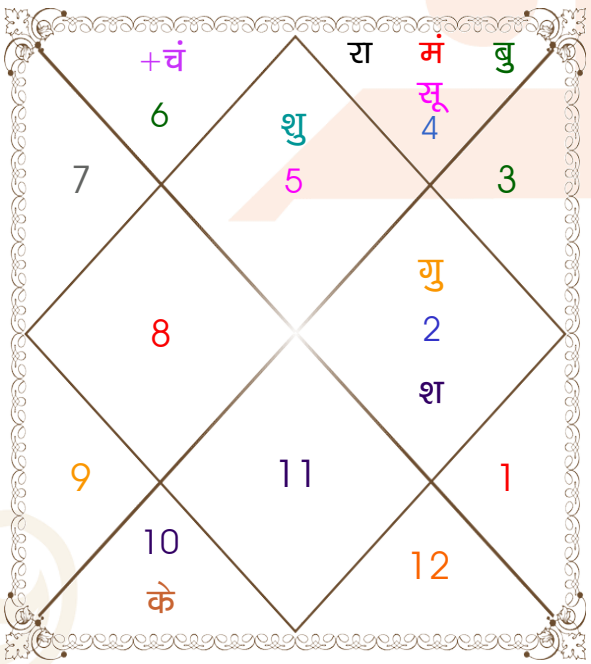

लग्न-चलित

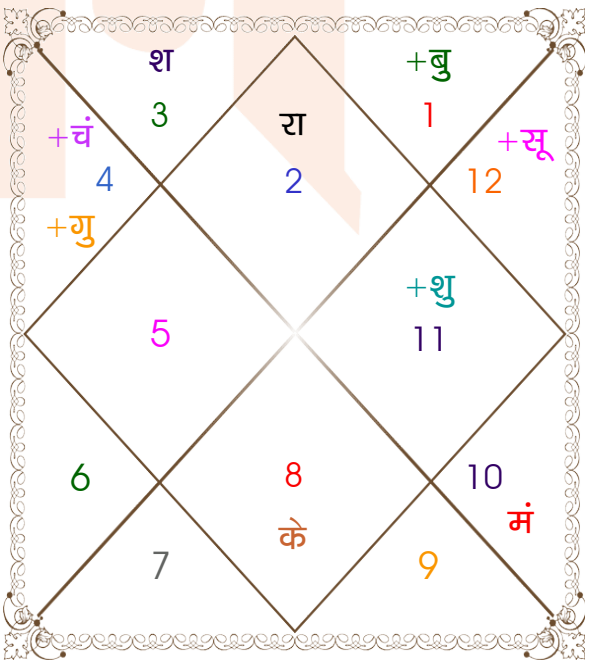

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

कुल : **25.5 / 36**

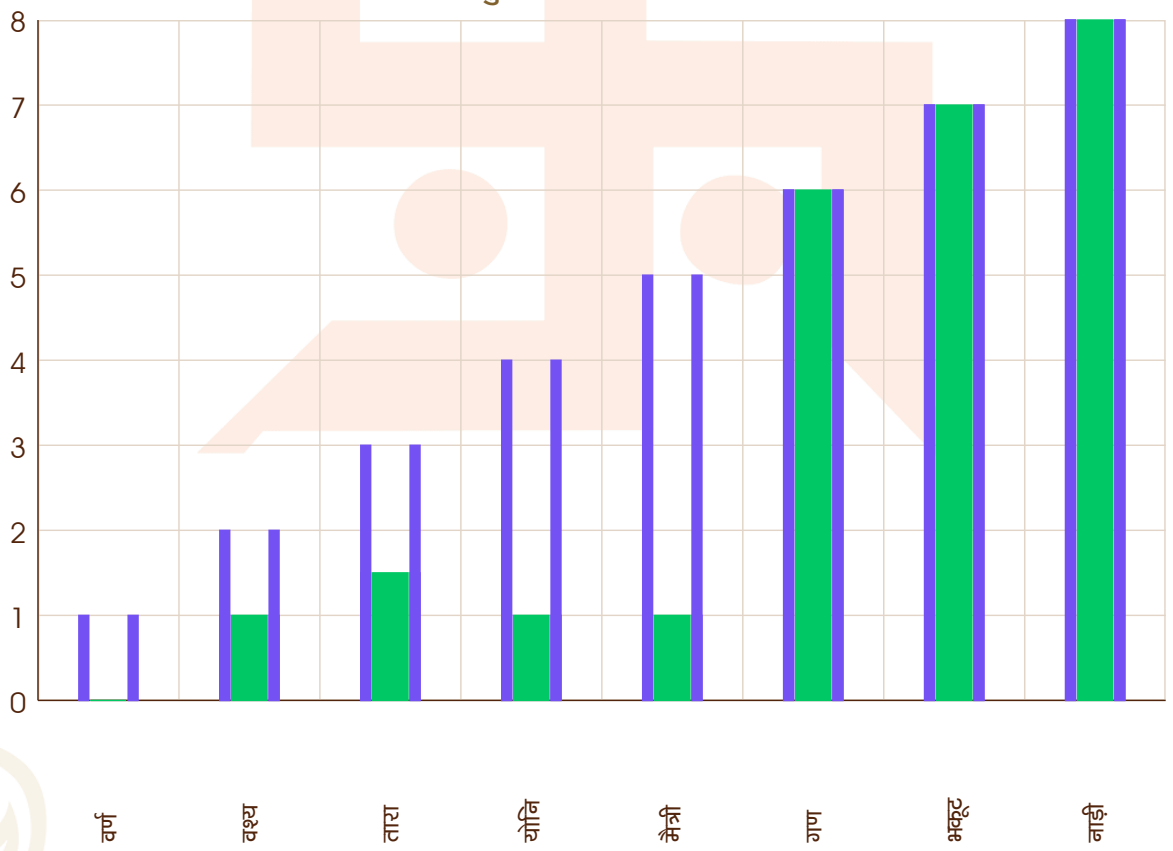

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट मिलान

।दर्पी का वर्ग मूषक है तथा Nancy का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दर्पी और Nancy का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।दर्पी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दर्पी कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्थ;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल ।दर्पी कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।दर्पी कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Nancy मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

।दर्पी तथा Nancy में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

।दर्पी का वर्ण वैश्य है तथा Nancy का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Nancy का वर्ण ।दर्पी के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Nancy अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Nancy को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

।दर्पी का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Nancy का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें ।दर्पी एवं Nancy दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः ।दर्पी Nancy पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि ।दर्पी हमेश Nancy के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

।दर्पी की तारा साधक तथा Nancy की तारा प्रत्यरि है। Nancy की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह ।दर्पी एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Nancy का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Nancy के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। ।दर्पी अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

।दर्पी की योनि व्याघ्र है तथा Nancy की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति

मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ।दर्पी से Nancy का राशि स्वामी शत्रु है। परन्तु Nancy से ।दर्पी का राशि स्वामी मित्र है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में ।दर्पी का राशि स्वामी Nancy के राशि स्वामी को शत्रु समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में ।दर्पी उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकता है जिसके कारण वह अपनी पत्नी से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगा तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी। जबकि इसके विपरीत कन्या, ।दर्पी को खूब प्यार करने वाली तथा ख्याल रखने वाली होंगी।

गण

।दर्पी का गण राक्षस है तथा Nancy का गण भी राक्षस है। अर्थात Nancy का गण ।दर्पी के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण ।दर्पी एवं Nancy दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

।दर्पी से Nancy की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Nancy से ।दर्पी की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ।दर्पी परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Nancy हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

।दर्पी की नाड़ी मध्य है तथा Nancy की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन

आवश्यक है। जिसके कारण ।दर्पी एवं Nancy के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

।दर्पी की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा Nancy की राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं जलतत्व में समानताएं होने के कारण ।दर्पी और Nancy के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबधों में मधुरता का भाव रहेगा। अतः मिलान अनुकूल रहेगा।

।दर्पी की राशि का स्वामी बुध तथा Nancy की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर मित्र एवं शत्रु राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा परस्पर संबधों में तनाव का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही Nancy ।दर्पी के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगी जिससे ।दर्पी को Nancy से अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। फलतः एक दूसरे के प्रति सहयोग मित्रता एवं सहयोग के भाव में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन का सुख मध्यम रहेगा।

।दर्पी एवं Nancy की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी होगी तथा परस्पर सामंजस्य स्थापित करके सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रखेंगे। साथ ही गुणों पर विशेष ध्यान देकर एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता बढ़ेगी तथा मानसिक शांति भी बनी रहेगी।

।दर्पी का वश्य मानव तथा Nancy का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं जलचर में असमानता का भाव रहता है। अतः ।दर्पी और Nancy के मध्य शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी तथा काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे। अतः धैर्य एवं सावधानी से ही शुभ फल प्राप्त हो सकते हैं।

।दर्पी का वर्ण वैश्य एवं Nancy का वर्ण ब्राह्मण है। अतः ।दर्पी धनार्जन में प्रवृत होंगे तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। लेकिन Nancy शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यो को करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

धन

।दर्पी और Nancy की तारा परस्पर सम है। अतः उनकी आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में वे तत्पर रहेंगे। ।दर्पी और Nancy की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह भकूट आर्थिक सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता की दृष्टि से शुभ माना जाता है। अतः इससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी लेकिन मंगल का Nancy की आर्थिक स्थिति पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे यदा कदा वे इससे किंचित असुविधा की अनुभूति कर सकते हैं।

मंगल के प्रभाव से यद्यपि ।दर्पी की प्रवृति अधिक व्यय करने की रहेगी परन्तु अपने परिश्रम एवं ईमानदारी से धनार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करके सुख पूर्वक उनका उपभोग करेंगे।

स्वास्थ्य

।दर्पी मध्य नाड़ी तथा Nancy अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु Nancy के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। Nancy सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Nancy को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ।दर्पी और Nancy का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ।दर्पी और Nancy के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Nancy के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Nancy को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Nancy को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ।दर्पी और Nancy सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ।दर्पी और Nancy का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Nancy के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए Nancy को धैर्य तथा बुद्धिमता

का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी Nancy को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी Nancy के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Nancy का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

।दर्पी की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर ।दर्पी सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ।दर्पी ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का ।दर्पी के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।